

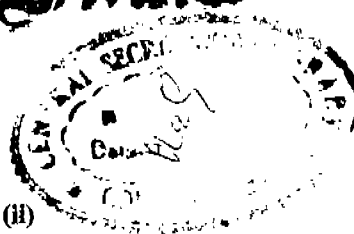


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 126] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 26, 1996/फाल्गुन 7, 1917

No. 126] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 26, 1996/PHALGUNA 7, 1917

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूँजी बाजार प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1996

का.आ. 154 (अ) :- भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए प्रतिभूति के रूप में कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के तहत निर्मित भारतीय औद्योगिक ऋण और निवेश निगम लि., बम्बई नामक कम्पनी

द्वारा जारी किए गए दो सौ करोड़ रुपये के कुल मूल्य के प्रत्येक पचास हजार रुपये के वचनपत्र के रूप में 16 प्रतिशत अप्रतिभूत मोचनीय बांड प्राधिकृत करती है ।

[फा.सं. 6/1/सी एम/96]

यु. शरत चन्द्रन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Capital Market Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th February, 1996

S.O. 154 (E).—In exercise of powers conferred by clause (f) of section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882), Central Government hereby authorises the 16 per cent Unsecured Redeemable Bonds in the nature of Promissory Notes of Rupees fifty thousand each of the aggregate value of Rupees two hundred crores issued by Industrial Credit and Investment Corporation of India Limited, Bombay a company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) as a security for the purposes of the said section.

[F. No. 6/1/CM/96]

U. SARAT CHANDRAN, Jt. Secy